अध्ययन मार्गदर्शिका
पुराने नियम के ऐतिहासिक विवरण
मॉड्यूल दो — जयवंत विजय

दिशानिर्देश : प्रत्येक अध्ययन मार्गदर्शिका को समय संकेतों के साथ खंडों में विभाजित किया गया है जो प्रत्येक मॉड्यूल में शामिल मुख्य श्रेणियों के अनुरूप हैं। अनुभागों में दो मुख्य घटक पाए जाते हैं : **नोट्स लेने की रूपरेखा** और **पुनर्समीक्षा के प्रश्न।** आपको वीडियो व्याख्यान देखते समय **नोट्स लेने की रूपरेखा का उपयोग करना है** और फिर मॉड्यूल प्रश्नोत्तरी की तैयारी के लिए **पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर देना है।** अध्ययन मार्गदर्शिकाओं का उपयोग करने के सर्वोत्तम तरीकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए छात्र दिशानिर्देश नियमावली को देखें। साथ ही, अध्ययन मार्गदर्शिकाओं को सेव करना सुनिश्चित करें क्योंकि वे इस पाठ्यक्रम की अंतिम परीक्षा की तैयारी के लिए एक उत्कृष्ट संसाधन होंगी।

\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*

नोट्स लेने की रूपरेखा

मिनट 0:00 — 13:19

1. परिचय
2. विजय के लिए तैयारियाँ
	1. संरचना और विषय-वस्तु
		1. परमेश्वर की आज्ञाएँ
		2. यहोशू की आज्ञाएँ
		3. इस्राएल की आज्ञाकारिता
	2. मूल अर्थ
		1. ईश्वरीय अधिकार
		2. परमेश्वर की वाचा
		3. मूसा की व्यवस्था का स्तर
		4. परमेश्वर की अलौकिक सामर्थ्य
		5. सारा इस्राएल

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. यहोशू की पुस्तक के पहले मुख्य भाग (अध्याय 1-12) के तीन खंडों को उनके उचित क्रम में सूचीबद्ध करें।
2. रूबेन, गाद और मनश्शे के आधे गोत्रों ने कनान के पूर्व में यरदन नदी के इस ओर बसने की अनुमति क्यों मांगी?
3. यहोशू को यरदन नदी पार करके कनान देश जाने की आज्ञा देने के बाद परमेश्वर ने कौन-सा वाक्यांश तीन बार दोहराया?
4. जब परमेश्वर ने इस्राएलियों को यरदन नदी पार करने की आज्ञा दी तो उनका व्यवहार कैसा था?
5. यहोशू की पुस्तक के पहले अध्याय में पाए जानेवाले पाँच विषय कौन से हैं जो पूरी पुस्तक में बार-बार आते हैं?
6. जब परमेश्वर ने यहोशू से कहा, “जैसे मैं मूसा के संग रहा, वैसे ही तेरे संग भी रहूँगा” तो इस्राएल के लोगों ने उसे कैसे उत्तर दिया?
7. परमेश्वर ने अब्राहम के साथ जो वाचा बाँधी थी, उसमें कौन-सी विशेष प्रतिज्ञा इस्राएलियों के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहित करनेवाली रही होगी जब वे कनान पर विजय प्राप्त करने की तैयारी कर रहे थे?
8. मूसा की व्यवस्था के प्रति आज्ञाकारिता और कनान में विजय के बीच संबंध के बारे में इस्राएल को क्या समझना था?
9. कनान में विजय के स्रोत के बारे में इस्राएल को क्या समझने की ज़रूरत थी?
10. कनान में प्रवेश करते समय इस्राएल को अपनी एकता के महत्व के बारे में क्या समझने की जरूरत थी?

नोट्स लेने की रूपरेखा

मिनट 13:19 – 38:21

1. दो नगरों पर विजय
	1. संरचना और विषय-वस्तु
		1. यरीहो नगर
			1. यहोशू के भेदिए और राहाब
			2. चमत्कारिक रूप से यरदन नदी को पार करना
			3. यरीहो का चमत्कारिक पतन
		2. ऐ नगर
			1. इस्राएल की पराजय
			2. इस्राएल का पश्चाताप
			3. इस्राएल की विजय
		3. वाचा का नवीनीकरण
	2. मूल अर्थ
		1. ईश्वरीय अधिकार
		2. परमेश्वर की वाचा
		3. मूसा की व्यवस्था का स्तर
		4. परमेश्वर की अलौकिक सामर्थ्य
		5. सारा इस्राएल

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. यरीहो के युद्ध का प्रत्येक पहलू आदर्श था और परमेश्वर के द्वारा अद्भुत रूप से आशीषित था। लेकिन ऐ पर विजय प्राप्त करने से पहले क्या होना जरूरी था?
2. यरीहो पर विजय पाने के लिए कनान में प्रवेश करने से पहले इस्राएलियों ने सबसे पहले क्या किया?
3. राहाब ने इस्राएलियों की कैसे सहायता की?
4. इस्राएल के पार जाने से पहले यरदन नदी किस समय दो भागों में बंट गई?
5. यरीहो पर हमला करने के विषय में परमेश्‍वर ने यहोशू को क्या निर्देश दिए?
6. यरीहो से लूटे गए सामान के विषय में यहोशू के आदेशों और उस समय की सेनाओं द्वारा सामान्यतः किए जाने वाले कार्यों में क्या अंतर था?
7. जब इस्राएल ने ऐ पर आक्रमण किया तो वह पहले पराजित क्यों हुआ?
8. ऐ पर हमला करने के लिए परमेश्‍वर ने यहोशू को क्या निर्देश दिए?
9. यरीहो और ऐ पर अपनी विजय के बाद इस्राएल ने कैसे उत्सव मनाया?
10. यहोशू की पुस्तक के लेखक ने मूल पाठकों के लिए इस्राएल की दो नगरों पर विजय के अपने विवरण के खंड (अध्याय 2-8) में अपनी पुस्तक के पाँच मुख्य विषयों पर कैसे प्रकाश डाला?
	* ईश्वरीय अधिकार
	* परमेश्वर की वाचा
	* मूसा की व्यवस्था का स्तर
	* परमेश्वर की अलौकिक सामर्थ्य
	* सारा इस्राएल

नोट्स लेने की रूपरेखा

मिनट 38:21 — 53:10

1. दो गठजोड़ों पर विजय
	1. संरचना और विषय-वस्तु
		1. गठजोड़ों का संक्षिप्त विवरण
		2. विजयों का संक्षिप्त विवरण
		3. दक्षिणी गठजोड़ पर विजय
		4. उत्तरी गठजोड़ पर विजय
	2. मूल अर्थ
		1. ईश्वरीय अधिकार
		2. मूसा की व्यवस्था का स्तर
		3. परमेश्वर की अलौकिक सामर्थ्य
		4. सारा इस्राएल

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. अध्याय 9-12 में बताए अनुसार यरीहो और ऐ पर विजय के बाद, आगे की कौन-सी विजयें थीं?
2. कनान के बिल्कुल बीचोंबीच रहनेवाले गिबोनियों ने किस प्रकार इस्राएल के साथ शांति की वाचा बाँधकर उनके साथ छल किया?
3. कनान में दो गठजोड़ों के साथ इस्राएल के युद्ध के परिणाम क्या थे?
4. यहोशू की पुस्तक के लेखक ने मूल पाठकों के लिए इस्राएल की दो गठजोड़ों पर विजय के अपने विवरण के खंड (अध्याय 9-12) में अपनी पुस्तक के पाँच मुख्य विषयों में से चार पर कैसे प्रकाश डाला?

ईश्वरीय अधिकार

मूसा की व्यवस्था का स्तर

परमेश्वर की अलौकिक सामर्थ्य

सारा इस्राएल

नोट्स लेने की रूपरेखा

मिनट 53:10 – 1:12:31

1. मसीही अनुप्रयोग
	1. उद्घाटन
	2. निरंतरता
	3. पूर्णता
2. उपसंहार

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. राज्य के उद्घाटन के चरण में, यीशु ने किस प्रकार ऐसी विजय प्राप्त की जो यहोशू के समय की इस्राएल की विजय से मिलती-जुलती तो थी, परन्तु उससे बड़ी भी थी?
2. यीशु ने अपने राज्य के उद्घाटन के समय जिस प्रकार विजय प्राप्त की और यहोशू के समय में इस्राएल ने जिस प्रकार विजय प्राप्त की, उनमें क्या अंतर था?
3. राज्य की निरंतरता के चरण में, यीशु ने किस प्रकार ऐसी विजय प्राप्त की जो यहोशू के समय की इस्राएल की विजय से मिलती-जुलती तो थी, परन्तु उससे बड़ी भी थी?
4. यीशु अपने राज्य की निरंतरता के चरण में जिस प्रकार विजय प्राप्त करता और यहोशू के समय में इस्राएल ने जिस प्रकार विजय प्राप्त की, उनमें क्या अंतर है?
5. राज्य की पूर्णता के चरण में, यीशु किस प्रकार ऐसी विजयें प्राप्त करेगा जो यहोशू के समय की इस्राएल की विजयों से मिलती-जुलती तो होंगी, परन्तु उनसे बड़ी भी होंगी?
6. यीशु अपने राज्य की पूर्णता के चरण में जिस प्रकार विजय प्राप्त करेगा और यहोशू के समय में इस्राएल ने जिस प्रकार विजय प्राप्त की, उनमें क्या अंतर है?
7. उन तरीकों पर ध्यान दें जिनमें यीशु के राज्य के विभिन्न चरणों में उसकी विजयें यहोशू की पुस्तक के पाँच विषयों को दर्शाती हैं :
	* ईश्वरीय अधिकार
	* परमेश्वर की वाचा
	* मूसा की व्यवस्था का स्तर
	* परमेश्वर की अलौकिक सामर्थ्य
	* सारा इस्राएल